प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

2025 – 26

हिन्दी

कक्षा – 12

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 80

निर्देश . इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड अ और ब हैं। दोनों खण्डों में पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

i. प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए।

ii. प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित है।

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

भाषा शिक्षा की नींव है। नींव सशक्त हुए बिना भवन अस्थिर होगा और याद रखें कि नींव दो–तीन नहीं हुआ करती, महत्वपूर्ण बात तो यह है कि बच्चे की शिक्षा अपनी भाषा में ही सर्वोत्तम होती है। इसलिए बच्चे की सर्वोच्च क्षमता अपनी भाषा पर अधिकार करने में लगानी चाहिए। अपनी भाषा पूरी संवेदना से सीख लें तो उसके लिए दूसरी, तीसरी भाषाएँ सीखना सदैव आसान रहेगा। हम भूल चुके हैं कि अपनी भाषा माता समान होती है। उसके बिना पालन पोषण राम–भरोसे ही रहेगा। आज हमारी राष्ट्रीय दुर्बलताओं और समस्याओं का मूल कारण इसी में है। यह किसी सरकार की नहीं, हमारी अपनी समस्या है। जैसे मिट्टी से अंकुरित होते बीज को समय रहते पर्याप्त जल, प्रकाश और वायु की अनिवार्यता आवश्यक होती है, वैसे ही दुनिया को समझना शुरु करने वाले बालक को अपनी भाषा के सर्वोत्तम साहित्य से परिचित कराना अनिवार्य है। उसकी सम्पूर्ण निहित क्षमता और व्यक्तित्व के उभरने का मूल साधन वही है।

भाषा केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ने से नहीं आती। असली भाषा साहित्य की भाषा होती है, जिससे जीवित सम्बन्ध रखने से ही वह आती है। अपनी भाषा पर भरोसा व लगाव के बिना कोई भाषा नीति सफल होने वाली नहीं। ब्रिटेन, अमेरिका से भी सीखना चाहिए कि किस तरह उन्होंने अपनी भाषा में अपना ही नहीं सम्पूर्ण विश्व के महान साहित्य और विद्वद् संस्करणों को सुलभ कराया। इसके विपरीत हमने अपने श्रेष्ठ साहित्य को घर–निकाला दे दिया।

(क) 'भाषा शिक्षा की नींव है, नींव सशक्त हुए बिना भवन अस्थिर होगा।' इस वाक्य के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है? 2

(ख) ''यह किसी सरकार की नहीं हमारी अपनी समस्या है।'' कथन के माध्यम से लेखन किस समस्या की बात कर रहा है ? 2

(ग) यदि विद्यालयों में शिक्षा मातृभाषा में दी जाए तो विद्यार्थियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा? 2

(घ) बच्चे की शिक्षा किस भाषा में सर्वोत्तम होती है? 1

(ङ) गद्यांश में असली भाषा किसे कहा गया है? 1

(च) लेखक ने अपनी भाषा को किसके समान बताया है? 1

(छ) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 8

(क) डिजिटल इण्डिया : अवसर व चुनौतियाँ

(ख) उत्तराखण्ड के प्रमुख त्यौहार

(ग) शिक्षा नीति 2020

(घ) मद्यपान : एक सामाजिक कलंक

3. निम्नलिखित प्रश्नखण्डों के सही उत्तर – विकल्प लिखिए – 1x 5 = 5

(क) हिन्दी दिवस कब मनाया जाता है ?

(i) 10 सितम्बर
(ii) 5 सितम्बर
(iii) 14 अक्टूबर
(iv) 14 सितम्बर

(ख) निम्नलिखित में से जनसंचार का प्रिंट माध्यम कौन–सा है ?

(i) रेडियो
(ii) टेलीविजन
(iii) पत्रिका
(iv) फिल्म

(ग) वह प्रक्रिया जिसके द्वारा एक संदेश को विभिन्न माध्यमों से बड़े जनसमूह तक पहुंचाया जाता है, क्या कहलाती है ?

(i) विज्ञापन
(ii) संचार
(iii) प्रसारण
(iv) जनसंचार

(घ) सनसनीखेज और उत्तेजक समाचार किसके अन्तर्गत आते हैं?

(i) पीत पत्रकारिता
(ii) एडवोकेसी पत्रकारिता
(iii) विशेषीकृत पत्रकारिता
(iv) वैकल्पिक पत्रकारिता

(ङ) किसी समाचार का घटना स्थल से सीधा प्रसारण क्या कहलाता है?

(i) रिपोर्ट
(ii) लाइव
(iii) ब्रेकिंग न्यूज
(iv) फीचर

4. 'स्वच्छ भारत अभियान में युवाओं का योगदान' विषय पर 150 शब्दों का एक आलेख लिखिए। 5

अथवा

विद्यालय का वार्षिक दिवस समारोह (वार्षिकोत्सव) पर एक रिपोर्ट लिखिए।

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(1) किसबी, किसान – कुल, बनिक भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी ।
पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन–गन अहन अखेटकी ।।
ऊँचे–नीचे करम, धरम–अधरम करि
पेट ही को पचत, बेचत बेटा–बेटकी ।
'तुलसी' बुझाइ एक राम घनस्याम ही तें
आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी ।।

(क) ''किसबी, किसान–कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल–नट, चोर, चार, चेटकी ''
पंक्ति में कवि ने किन–किन वर्गों की बात की है और ये वर्ग क्या–क्या निम्न कार्य कर रहे हैं? 2

(ख) पेट की आग का शमन राम भक्ति का मेघ ही कर सकता है– तुलसी का यह काव्य सत्य क्या इस युग का भी सत्य है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए। 2

(ग) किस आग से पेट की आग बड़ी है? 1

(2) बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे–
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है।

(क) वह कौन सी शक्ति है जो चिड़िया के पंखों में चंचलता भर देती है? 2

(ख) चिड़िया के घोंसले के कविता में खींचे गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 2

(ग) कवि और कविता का नाम लिखिए। 1

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसका भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए – 2

नभ में पाँती बधे बगुलों के पँख,
चुराए लिए जाती वे मेरी आँखें।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।
हौले–हौले जाती मुझे बाँध निज माया से।
उसे कोई तनिक रोक रक्खो।
वह चुराए लिए जाती मेरी आँखें
नभ में पाँती बँधी बगुलों की पाँखें।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2 X 2=4

(क) ''हँसते हैं छोटे पौधे लघुभार – शस्य अपार'' पंक्ति के आधार पर बादलों के आगमन पर प्रकृति में होने वाले किन किन परिवर्तनों को बादल राग कविता रेखांकित करती हैं?

(ख) भातृशोक में हुई राम की दशा को कवि ने प्रभु की नरलीला की अपेक्षा सच्ची मानवीय अनुभूति के रूप में रचा है। क्या इससे आप सहमत है? तर्कसहित उत्तर दीजिए।

(ग) ''सब घर एक कर देने के माने बच्चा ही जाने'' पंक्ति के माध्यम कविता के खेल और बच्चे के खेल में क्या साम्य है?

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए 2 X 3=6

(1) शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है, जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलचिलाती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाहय परिवर्तन – धूप, वर्षा, आँधी, लू – अपने आप में सत्य नहीं हैं? हमारे देश के ऊपर से जो मारकाट, अग्निदाह, लूट–पाट, खून खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है । शिरीष वायुमण्डल से रस खींचकर इतना कोमल व कठोर है। गाँधी जी भी वायुमण्डल से रस खींचकर इतना कोमल और कठोर हो सका था। जब–जब शिरीष की ओर देखता हूँ, तब तब हूक उठती है– हाय, वह अवधूत आज कहाँ है।

(क) गद्यांश के आधार पर शिरीष वृक्ष की विशेषताएँ लिखिए।

(ख) शिरीष वृक्ष धूप, आँधी, लू में भी सरस बना रहता है। उक्त प्राकृतिक सत्य हमें क्या संदेश देता है?

(ग) लेखक के मन में शिरीष वृक्ष और गाँधी जी को लेकर तरह–तरह के सवाल उठते हैं। तुम्हारा मन किन बातों को लेकर सवाल करता है?

(1) भक्तिन और मेरे बीच सेवक–स्वामी का सम्बन्ध है, यह कहना कठिन है, क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी–बारी से आने–जाने वाले अँधेरे–उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना।

(क) भक्तिन और लेखिका के बीच पारस्परिक सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

(ख) भक्तिन और लेखिका के जैसे पारस्परिक सम्बन्ध आज के समय में संभव है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ग) 'सेवक की निष्ठा' पर पाँच पंक्तियों का अनुच्छेद लिखिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए 2 X 2=4

(क) 'बाजार दर्शन' पाठ में किस प्रकार के ग्राहकों की बात हुई है? आप स्वयं को किस श्रेणी का ग्राहक मानते हैं?

(ख) 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण विज्ञान के सत्य पर सहज प्रेम की विजय का चित्र प्रस्तुत करता है। स्पष्ट कीजिए।

(ग) जाति प्रथा के आधार पर पेशा बदलने की स्वतंत्रता न होने के क्या परिणाम होते हैं?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए 1 X 3=3

(क) 'सिल्वर वैडिंग' की पार्टी के अन्त में यशोधर बाबू को कौन–सी बात चुभ गई?

(ख) 'जूझ' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को कविता रचने की प्रेरणा किससे मिली ?

(ग) सिंधु सभ्यता के प्रमुख नगर कौन–से हैं?

(घ) 'जन्यो पुन्यू' से क्या आशय है?

11. 'जूझ' कहानी के शीर्षक की सार्थकता को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 4

अथवा

'मुअनजोदड़ो की नगर–रचना अत्यंत योजनाबद्ध थी' इस नगर–रचना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

खण्ड 'ब'

12. निम्नलिखित गद्यांश पठित्वा केवलं **त्रीन** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत– 1 X 3=3

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

साइमन–आयोगस्य राष्ट्रव्यापी विरोधसमये पण्डित जवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्राणरक्षायै आरक्षकाणां दण्डप्रहारान् सः स्वस्य उपरि असहत। तस्मात् कारणात् आजीवनं तस्य शिरः कम्पते स्म। 1930 तमे वर्षे एषः उत्तराखण्डे लवण सत्याग्रहान्दोलनस्य नेतृत्वम् अकरोत् । सत्याग्रहान्दोलनसमये सः कारागारं प्रेषितः।

(क) दण्डप्रहाराणात् किम् अभवत?

(ख) 1930 तमे वर्षे गोविन्दबल्लभपन्तः कस्य आन्दोलनस्य नेतृत्वम् अकरोत्?

(ग) सत्याग्रहान्दोलनसमये सः कुत्र प्रेषितः?

(घ) सः कदा नेहरूमहोदयस्य प्राणरक्षायै आरक्षकाणां दण्डप्रहारान् स्वस्य उपरि असहत?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा केवलं **त्रीन** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत् – 1X3=3

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

पुण्यापुण्यैस्तथा गन्धैर्धूपैश्च विविधैरपि।

आरोगाः पुष्पिताः सन्ति, तस्माज्जिघृन्ति पादपाः।।

(क) अत्र आरोगाः के सन्ति ?

(ख) पादपाः कैः आरोगाः सन्ति ?

(ग) कस्मात् पादपाः जिघृन्ति ?

(घ) ''पुण्यः'' अस्य विलोमपदं चिनुत।

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः केवलं **चत्वारि** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत् – 2 X 4=8

(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए।)

(क) नीचैः केन भयेन कार्य न प्रारभ्यते ?

(ख) आगतनाम् अतिथिनां धन्यवादज्ञापनं कः करिष्यति ?

(ग) मण्डूकस्य साफलस्य कारणं किम् आसीत ?

(घ) पण्डितगोविन्दबल्लभ पन्तस्य प्रारम्भिकी शिक्षा कुत्र अभवत ?

(ङ) अनुजः किम् करोति स्मः ?

(च) उत्तराखण्डे जलप्रलयः पाठे कस्य रसस्य प्रधानता अस्ति ?

15. निम्नांकिता शब्दसूचीतः **त्रीन्** शब्दान् चित्वा तेषां वाक्य प्रयोगं संस्कृतभाषायां कुरुत – 1 X 3=3

(निम्नलिखित शब्दों में से तीन शब्दों को चुनकर उनका संस्कृत में वाक्य प्रयोग कीजिए)

शब्दसूची – गगने, केषाम्, जलम्, पादपाः, परितः, प्रतिदिनम्

16. अधोलिखितानां प्रश्नान् यथानिर्देशम् उत्तरत – 1/2 X 6=3

(निम्नलिखित प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए)

(क) 'राज्ञः पुरुषः' अस्य समस्तपदं अस्ति –

('राज्ञः पुरुषः' में समस्त पद है–)

(i) राज्ञत्रः
(ii) राजपुत्रः
(iii) राजपुरुषः
(iv) उपर्युक्तेषु कश्चन अपि नास्ति

(ख) 'वृक्षात् फलं पतति' अत्र 'वृक्षात्' पदे कारकः अस्ति –

('वृक्षात् फलं पतति' यहाँ 'वृक्षात्' पद में कारक है –)

(i) सम्प्रदान कारक
(ii) अपादान कारक
(iii) अधिकरण कारक
(iv) उपर्युक्तेषु कश्चन अपि नास्ति

(ग) 'नदी' शब्दस्य तृतीयाविभक्तेः बहुवचनस्य रूपं अस्ति –

('नदी' शब्द का तृतीयाविभक्ति बहुवचन का रूप है –)

(i) नद्यः
(ii) नदीः
(iii) नदीभिः
(iv) नदीभ्याम्

(घ) 'पश्यतः' अस्मिन् धातुरूपे प्रयुक्तः धातुः का –

('पश्यतः' इस धातुरुप में प्रयुक्त धातु है –)

(i) स्था
(ii) पा

(iii) दृश्

(iv) पश्य

(ङ) 'मनः+रथः' इति विग्रहे सन्धिः अस्ति –

('मनः+रथः' इस विग्रह में सन्धि है –)

(i) मनोरथः

(ii) मनरथः

(iii) मनर्रथः

(iv) मनस्यरथः

(च) 'इत्यादि' पदे सन्धि विच्छेदः अस्ति –

('इत्यादि' पद में सन्धि – विच्छेद है –)

(i) इति् यादि

(ii) इत यादि

(iii) इति् आदि

(iv) उपर्युक्तेषु कश्चन अपि नास्ति

17. अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं विहाय पाठ्यपुस्तकात् कण्ठस्थ **एकं** श्लोकं लिखित्वा तस्य हिन्दीभाषायां अनुवादं कुरुत। 2 X 2=4

(इस प्रश्नपत्र में आए हुए श्लोक को छोड़कर पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ **एक** श्लोक लिखिए और उसका हिन्दी अनुवाद कीजिए।)